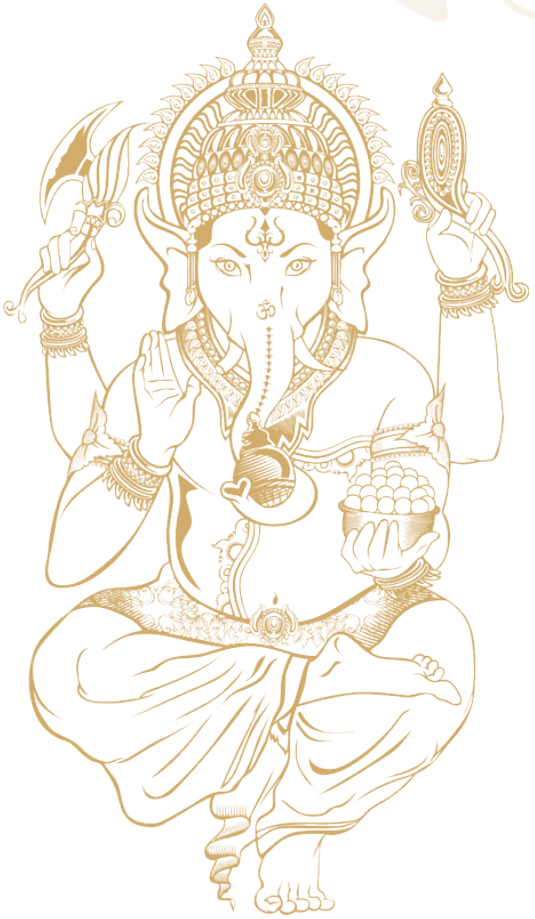

Tejasvi soni

23 Feb 2003

03:50 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121547304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/02/2003**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:50:00 घंटे**
इष्ट	52:55:49 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:33:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:35 घंटे
साम्पातिक काल	13:43:22 घंटे
सूर्योदय	06:39:40 घंटे
सूर्यास्त	18:20:11 घंटे
दिनमान	11:40:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:58:45 कुम्भ
लग्न के अंश	23:07:11 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	23:07:11	352:00:59	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	09:58:45	01:00:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	00:00:13	14:05:14	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	29:44:21	00:38:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			मक	20:00:12	01:29:53	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	16:36:24	00:06:47	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			धनु	27:11:55	01:09:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			वृष	28:14:19	00:00:04	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	10:11:08	00:00:24	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	10:11:08	00:00:24	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	05:12:02	00:03:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	17:37:16	00:02:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:49:54	00:00:56	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			तुला	03:55:43	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:49

लग्न-चलित

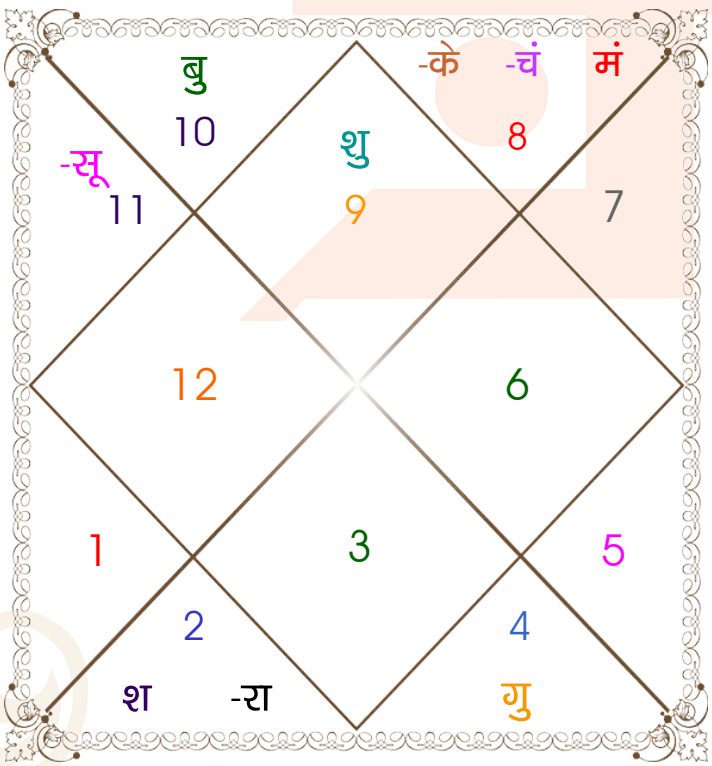

चन्द्र कुंडली

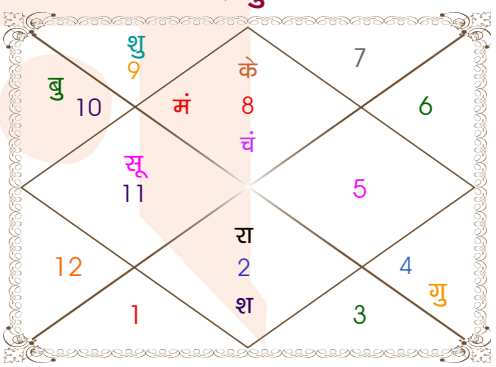

नवमांश कुंडली

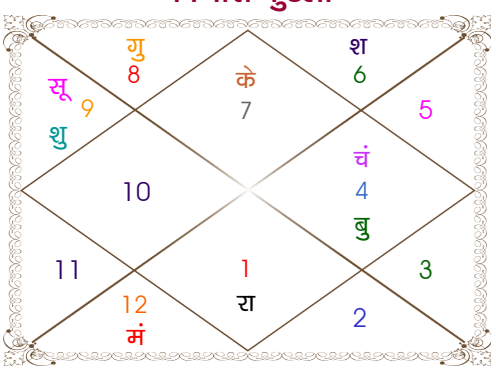

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 11 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/02/2003		21/02/2007		21/02/2026		21/02/2043		21/02/2050	
21/02/2007		21/02/2026		21/02/2043		21/02/2050		21/02/2070	
	00/00/0000	शनि	24/02/2010	बुध	20/07/2028	केतु	20/07/2043	शुक्र	22/06/2053
	00/00/0000	बुध	03/11/2012	केतु	17/07/2029	शुक्र	18/09/2044	सूर्य	23/06/2054
	00/00/0000	केतु	13/12/2013	शुक्र	17/05/2032	सूर्य	24/01/2045	चंद्र	21/02/2056
	00/00/0000	शुक्र	12/02/2017	सूर्य	23/03/2033	चंद्र	25/08/2045	मंगल	23/04/2057
	00/00/0000	सूर्य	24/01/2018	चंद्र	23/08/2034	मंगल	21/01/2046	राहु	22/04/2060
	23/02/2003	चंद्र	26/08/2019	मंगल	20/08/2035	राहु	09/02/2047	गुरु	22/12/2062
चंद्र	23/10/2003	मंगल	04/10/2020	राहु	08/03/2038	गुरु	16/01/2048	शनि	21/02/2066
मंगल	28/09/2004	राहु	11/08/2023	गुरु	13/06/2040	शनि	24/02/2049	बुध	22/12/2068
राहु	21/02/2007	गुरु	21/02/2026	शनि	21/02/2043	बुध	21/02/2050	केतु	21/02/2070

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/02/2070		21/02/2076		21/02/2086		21/02/2093		22/02/2111	
21/02/2076		21/02/2086		21/02/2093		22/02/2111		00/00/0000	
सूर्य	10/06/2070	चंद्र	22/12/2076	मंगल	20/07/2086	राहु	04/11/2095	गुरु	11/04/2113
चंद्र	10/12/2070	मंगल	23/07/2077	राहु	08/08/2087	गुरु	29/03/2098	शनि	24/10/2115
मंगल	17/04/2071	राहु	22/01/2079	गुरु	13/07/2088	शनि	03/02/2101	बुध	29/01/2118
राहु	11/03/2072	गुरु	23/05/2080	शनि	22/08/2089	बुध	24/08/2103	केतु	04/01/2119
गुरु	28/12/2072	शनि	22/12/2081	बुध	19/08/2090	केतु	10/09/2104	शुक्र	04/09/2121
शनि	10/12/2073	बुध	23/05/2083	केतु	16/01/2091	शुक्र	11/09/2107	सूर्य	24/06/2122
बुध	16/10/2074	केतु	23/12/2083	शुक्र	17/03/2092	सूर्य	05/08/2108	चंद्र	24/02/2123
केतु	21/02/2075	शुक्र	22/08/2085	सूर्य	23/07/2092	चंद्र	04/02/2110		00/00/0000
शुक्र	21/02/2076	सूर्य	21/02/2086	चंद्र	21/02/2093	मंगल	22/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।